

कलेक्टर ने की सावधानी बरतने की अपील

चक्रवाती बारिश का अलर्ट- 28-29 अक्टूबर को भारी वर्षा की आशंका, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफ़ान के संभावित असर को देखते हुए बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 28 और 29 अक्टूबर को भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई गई है। मौसम के इस संभावित बदलाव को देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने किसानों के लिए कृषि परामर्श जारी किया है। वहीं, कलेक्टर श्रीमती चंदन सांख्य त्रिपाठी ने किसानों और पशुपालकों से सतर्कता बरतते हुए फसल एवं पशुधन की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम करने की अपील की है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर जारी

परामर्श के अनुसार, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से चक्रवाती तूफान की स्थिति बन रही है। इसके चलते प्रदेश के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर 64 से 115 मिलीमीटर तक भारी तथा 115 से 204 मिलीमीटर तक बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

कटी फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें किसान संभावित बारिश को देखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि जिन खेतों में कटाई शुरू हो चुकी है, वहां कटी हुई फसल को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं। खेतों में जलभराव रोकने के लिए अतिरिक्त पानी की निकासी की



व्यवस्था करें और फसलों की नियमित निगरानी करें। कीट एवं रोग के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद ही दवाओं का छिड़काव करें। उजरा फसल के रूप में तिवरा और अलसी की बुवाई फिलहाल कुछ दिन टालने तथा रबी फसलों की बुवाई नवंबर के प्रथम सप्ताह से शुरू करने की सलाह दी

गई है।

सब्जियों और केले की फसल को बचाने की तैयारी तेज हवा और बारिश की आशंका को देखते हुए सब्जी उत्पादक किसान करेला, लौकी जैसी लता वाली फसलों को सहारा देने के लिए स्टेकिंग की व्यवस्था करें। फूल एवं फल वाले केले के पौधों को बांस का सहारा दें, ताकि तेज हवा से नुकसान की आशंका कम की जा सके। उपलब्धता के अनुसार बागवानी और सब्जी फसलों में ओलावृष्टिधी जाली का उपयोग करने की भी सलाह दी गई है।

पशुधन की सुरक्षा पर भी जोर कृषि परामर्श में पशुपालकों

को पशुओं को सूखे और सुरक्षित स्थान पर रखने तथा पर्याप्त चारे और स्वच्छ पानी की व्यवस्था करने को कहा गया है। आकाशीय बिजली गिरने की आशंका के दौरान पशुओं को चराने से बचें और उन्हें पेड़ों के नीचे आश्रय न दें। कलेक्टर श्रीमती चंदन सांख्य त्रिपाठी ने किसानों से अपील की है कि मौसम की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए समय रहते आवश्यक तैयारी करें। उन्होंने कृषि विभाग के परामर्श को पालन करने और मौसम से संबंधित जानकारी के लिए अधिकृत स्रोतों पर भरोसा करने की अपील की है। समय रहते बरती गई सावधानी से फसलों और पशुधन को संभावित नुकसान से बचाने में मदद मिल सकती है।

मेकाहारा के डॉक्टरों ने प्रसूता को दिया नया जीवन: पॉपिंग बची थी सिर्फ 25%, स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर निःशुल्क लगा ICD पेसमेकर

रायपुर। प्रसव के बाद अत्यंत गंभीर और जानलेवा हृदय रोग से जूझ रही एक प्रसूता को डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) में नया जीवन मिला है। महिला पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी, कंफ़ीट हार्ट ब्लॉक और वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया जैसी एक साथ कई जटिलताओं से घिर चुकी थी। उसकी हृदय गति गिरकर महज 40 प्रति मिनट रह गई थी और दिल की पॉपिंग क्षमता घटकर सिर्फ 25 प्रतिशत बची थी। मरीज की नाजुक हालत और आर्थिक तंगी को देखते हुए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की विशेष पहल पर लगभग साढ़े तीन लाख रुपये की लागत वाला इम्प्लांटेबल कार्डियोवैटर डिफ़िब्रिलेटर (ICD) पेसमेकर पूरी तरह निःशुल्क लगाया गया। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया कि कोरवा निवासी महिला का प्रसव सिजेरियन ऑपरेशन से हुआ था। इसके तुरंत बाद उसे सांस लेने में भारी तकलीफ़ होने लगी। जांच में सामने आया कि महिला के दिल की नसें ब्लॉक (कंफ़ीट हार्ट ब्लॉक) हो चुकी थीं।

रमकोला: जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटियां सुधारने के नाम पर वसूली का आरोप

दो बच्चियों के दस्तावेजों में माता-पिता के नाम गलत दर्ज होने से परेशान महिला ने कलेक्टर से की शिकायत, जांच और कार्रवाई की मांग

जाह्नद अंसारी **सूरजपुर।** दो बच्चियों के जन्म प्रमाण पत्र में बार-बार गलतियां होने और उनमें सुधार कराने के नाम पर रुपये मांगने का मामला सामने आया है। पीड़िता नूरन निशा ने कलेक्टर, सूरजपुर को आवेदन सौंपकर दोनों बच्चियों के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज त्रुटियों को दूर करने और मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, नूरन निशा की दोनों बच्चियों का जन्म नरोला अस्पताल में हुआ था। जन्म प्रमाण पत्र जारी होने के बाद आधार कार्ड से मिलान करने पर बच्चियों के साथ माता-पिता के नाम में भी गलतियां सामने आईं। पीड़िता का आरोप है कि इन त्रुटियों को सुधारवाने के लिए



उन्हें बार-बार स्वास्थ्य केंद्र के चक्कर लगाने पड़े, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। **सुधार के नाम पर 3000 रुपये लेने का आरोप-** पीड़िता ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि 5 सितंबर 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रमकोला में जन्म प्रमाण पत्र में सुधार कराने के लिए संपर्क करने पर उन्हें संबंधित कर्मचारी बाबू ननेश्वर से मिलने को कहा गया। आरोप है कि प्रमाण पत्र में सुधार कराने के नाम पर उनसे 1000 रुपये लिए गए। इसके बावजूद प्रमाण पत्र में गलतियां बनी रहीं। शिकायत में बताया गया है कि 4 सितंबर 2025 को वह दोबारा सुधार

इसी क्रम में एसडीएम के निर्देश पर सोमवार को जनपद पंचायत पाटन द्वारा वरिष्ठ करारोपण अधिकारी आर.एल. घुआर्य की उपस्थिति में विधिवत प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान पंचों ने सर्वसम्मति से वार्ड क्रमांक 14 की पंच गायत्री यादव को कार्यवाहक सरपंच चुना। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि पंचायत में लॉबित कार्यों का संचालन सुचारु रूप से हो सकेगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

इस मौके पर मुख्य रूप से सचिव कल्याणी बंजारे, सुखी निर्मलकरी, धनेश साहू, सत्या निर्मलकर, उर्वशी साहू,ओम कुमारी साहू,मैना साहू,मनोज कुमार साहू,पुष्पलता निर्मल,कमलेश्वरी साहू,कविता साहू,टोमन निर्मलकर सहित अन्य उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में हवाई करतब दिखाने

रायपुर पहुँची सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम

रायपुर। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम छत्तीसगढ़ के स्थानागत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 में भाग लेने के लिए आज रायपुर पहुँची। टीम नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध झील क्षेत्र के ऊपर शानदार हवाई प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित करेगी।

स्वदेश में विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) 'छक्क' से उड़ान भरने वाली सारंग टीम अपनी सटीक उड़ान, समन्वित संरचनाओं और रोमांचक हवाई करतबों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रदर्शन भारतीय वायु सेना के उत्कृष्ट उड़ान कौशल, अनुशासन, टीम भावना और पेशेवर दक्षता के साथ भारत की स्वदेशी हेलीकॉप्टर क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा।

यह आयोजन नागरिकों,



विद्यार्थियों, युवाओं और विमानन में रुचि रखने वालों को हेलीकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान में सटीकता और आपसी तालमेल देखने का अवसर प्रदान करेगा। राज्योत्सव में सारंग की भागीदारी समारोह के आकर्षण को बढ़ाने के साथ भारतीय वायु सेना और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच जुड़ाव को और सुदृढ़ करेगी। मोर से प्रेरित

अपनी विशिष्ट रंग-सज्जा और आदर्श वाक्य -उत्कृष्टता से प्रेरणा- के साथ सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारतीय वायु सेना की उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती है। रायपुर में टीम की उपस्थिति युवाओं को प्रेरित करने तथा उनमें विमानन और राइसेवा के प्रति रुचि जगाने का माध्यम बनेगी।

महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्श समाज को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे : विधायक इन्द्र साव

जनता के गोठ/ओंकार साहू बलौदाबाजार:- महर्षि वाल्मीकि जी के प्राकट्य दिवस के अवसर पर विधायक इन्द्र साव ने वाल्मिकी समाज एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन, विचारों और आदर्शों को याद किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी भारतीय संस्कृति और साहित्य के महान स्तंभ हैं। उन्होंने रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना कर संपूर्ण मानव समाज को सत्य, धर्म, त्याग, करुणा और मर्यादा का संदेश दिया।

विधायक इन्द्र साव वाल्मीकि समाज द्वारा आयोजित महर्षि वाल्मीकि जी के प्राकट्य दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।श्री साव ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन



हमें यह प्रेरणा देता है कि व्यक्ति अपने विचारों, कर्मों और संकल्पों से महान बन सकता है। उनका जीवन परिवर्तन, ज्ञान और आत्मबोध का अनुपम उदाहरण है। उनके द्वारा रचित रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला ऐसा महाकाव्य है, जिसके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम

के आदर्श, माता सीता की सहनशीलता, लक्ष्मण की सेवा भावना और भरत के त्याग जैसे प्रसंग हमें कर्तव्यनिष्ठा, पारिवारिक मूल्यों तथा सामाजिक जिम्मेदारियों का बोध कराते हैं। महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाएं समाज में प्रेम, सद्भाव, समानता और भाईचारे को मजबूत करने का मार्ग दिखाती हैं।

विधायक इन्द्र साव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के प्राकट्य

दिवस पर हमें उनके बताए मार्ग पर चलने, शिक्षा को बढ़ावा देने, समाज के प्रत्येक वर्ग का सम्मान करने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने का संकल्प लेना चाहिए। एक समरस, शिथिल और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण तभी संभव है, जब हम महापुरुषों के विचारों को अपने आचरण में उतारें।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतीश अग्रवाल ने सभी नागरिकों से महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों को अपनाने और सामाजिक एकता एवं सद्भाव को मजबूत बनाने की अपील की और कहा कि जब तक संसार रहेगा तब तक महर्षि वाल्मीकि जी का नाम श्रद्धा और आदर के साथ लिया जाएगा। प्रथम महाकाव्य रामायण के रचनाकार आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ही थे।श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि वाल्मीकि

समाज एक मेहनत कश समाज है, अपने कार्यों और दायित्वों के प्रति ईमानदारी पूर्वक यह समाज लगातार देश ,प्रदेश और नगर की सेवा करते आ रहा है।

विविृत हो कि शरद पूर्णिमा की तिथि पर वाल्मीकि समाज द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े धूमधाम और श्रद्धा से मनाई जाती है। जयंती के एक दिन पूर्व सामाजिक जनों ने राम जानकी मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वाल्मीकि नगर में जाकर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर वाल्मीकि समाज के जिला अध्यक्ष एवं नगर पालिका भाटोपारा, शक्ति वार्ड के पार्षद प्रत्येक्ष राठौर, नितिन डागीर, संदीप डागीर, अनूप डागीर, कमलेश डागीर, महेषु राठौर, गणेषु डागीर, सूरज, सुभाष, मन्नी सहित समाज के बड़े बुजुर्ग,महिलाएं ,बच्चे काफी संख्या में उपस्थित थे।

खूब लड़ी मर्दानी, पर रेबीज से हार गई जिंदगी की जंग

भाभी के बच्चों को पागल कुत्ते से बचाने वाली गंगा की मौत, परिवार और ग्रामीणों ने सरकार से मुआवजे की मांग की

भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोठ। अपनी जान की परवाह किए बिना भाभी के मासूम बच्चों को आवारा पागल कुत्ते के हमले से बचाने वाली 24 वर्षीय बहादुर महिला गंगा चंद्राकर आखिरकार जिंदगी की जंग हार गई। रेबीज संक्रमण के कारण 21 अक्टूबर को जगदलपुर के महारानी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड के बोरिंगांव में गंगा की बहादुरी की चर्चा अब भी हो रही है। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, परिजनों और ग्रामीणों ने शासन से आर्थिक सहायता एवं मुआवजे की मांग की है।

29 सितंबर को पागल कुत्ते ने मचाया था आतंक



जानकारी के अनुसार, 29 सितंबर की अलसुबह बोरिंगांव में एक आवारा पागल कुत्ते ने हमला कर दहशत फैला दी थी। कुत्ते ने सबसे पहले पोल्ट्री फ़ार्म के मुंशी राजू (37 वर्ष) पर हमला कर उन्हें लहलुहान कर दिया। इसके बाद झड़पारा में पूरण बिसाई के पुत्र मोती सिंह (35 वर्ष) पर हमला किया। फिर उसने नित्या चंद्राकर की 10 वर्षीय बेटी ईशा चंद्राकर को अपना शिकार बनाया।

अपनी भतीजी को कुत्ते के चंगुल में फंसा देखकर गंगा चंद्राकर ने अदम्य साहस का परिचय दिया। उसने बाल्टी से कुत्ते के मुंह पर कई बार प्रहार किया, जिसके बाद कुत्ते ने बच्ची को छोड़ दिया। हालांकि, इस दौरान कुत्ते ने गंगा के गाल पर काट लिया। ग्रामीणों द्वारा कुत्ते को घेरने के दौरान उसने मुकेश कश्यप (27 वर्ष), पिता सोनसिंह कश्यप, पर भी हमला किया। बाद में कुत्ते की मौत हो गई।

इलाज और टीकाकरण के बावजूद नहीं बच सकी जान

घटना के दिन सभी घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बकावंड ले जाया गया। इसके बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए महारानी अस्पताल, जगदलपुर भेजा गया। सभी को रेबीज से बचाव के टीके लगाए गए। इसके बाद 2, 6 और 13 अक्टूबर को भी टीकाकरण

कराया गया।

गंगा को आगामी 27 अक्टूबर को अंतिम टीका लगाया जाना था, लेकिन इससे पहले ही 21 अक्टूबर को रेबीज संक्रमण के कारण उसकी मौत हो गई। जगदलपुर के महारानी अस्पताल में उसने अंतिम सांस ली। उसकी मौत ने परिवार और पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है।

दो मासूम बेटियों के सिर से उठा मां का साया गंगा अपने पीछे 10 माह की दूधमुंही बेटी वंशिका और साढ़े चार साल की बेटी प्राची समेत रोता-बिलखता परिवार छोड़ गई है। जिस महिला ने अपनी भतीजी की जान बचाने के लिए खुद की जान जोखिम में डाल दी, वही महिला अंततः रेबीज संक्रमण से जिंदगी की जंग हार गई।

मृतका का पोस्टमार्टम भी कराया गया है। घटना के बाद परिवार और ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता एवं मुआवजा देने की मांग की है, ताकि इस दुखद घटना से प्रभावित परिवार को कुछ राहत मिल सके।

वन भूमि की सीमांकन जांच की मांग, 7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेगा संगठन

नंदपुरा के अमलीगुड़ा पारा में कथित अतिक्रमण का मामला, बनमाली बघेल के नेतृत्व में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ बस्तर। विकासखंड बस्तर के ग्राम नंदपुरा स्थित अमलीगुड़ा पारा में वन भूमि पर कथित अवैध कब्जे और वन अधिकार पट्टे की निर्धारित सीमा से अधिक क्षेत्र में खेती किए जाने की शिकायत को लेकर बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन बस्तर ब्लॉक अध्यक्ष बनमाली बघेल के नेतृत्व में सौंपा गया। संगठन ने चेतावनी दी है कि सात दिनों के भीतर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू नहीं होने पर ग्रामीणों के साथ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन के अनुसार, ग्रामीणों ने पूर्व में भी बैठक के माध्यम से इस समस्या को उठाया



था, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं होने का आरोप है। ग्रामीणों की शिकायत है कि कुछ लोगों द्वारा वन अधिकार पट्टे में दर्ज रकबे से अधिक भूमि पर खेती की जा रही है। साथ ही, हर साल खेती का क्षेत्रफल बढ़ने से वन भूमि पर अतिक्रमण की आशंका जताई जा रही है। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि राजस्व एवं वन अभिलेखों के आधार पर संबंधित भूमि का स्थल निरीक्षण और सीमांकन कराया जाए। वन अधिकार पट्टों में दर्ज रकबे का वास्तविक खेती के क्षेत्रफल से मिलान कर शिकायतों की निष्पक्ष

जांच की जाए। यदि जांच में पट्टे की सीमा से अधिक अवैध कब्जा प्रमाणित होता है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, पूर्व में की गई शिकायतों पर हुई कार्रवाई की जानकारी लिखित रूप में देने, वन भूमि पर नए अतिक्रमण को रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने और नियमानुसार पौधा रोपण कर वन संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है। संगठन ने स्पष्ट किया कि वह पात्र वन अधिकारधारकों के वैध अधिकारों के खिलाफ नहीं है।

सात दिन में कार्रवाई नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन- बनमाली

का विस्तार योजना द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही आजीविका की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आजीविका डबरी, निजी डबरी और पशु शेड निर्माण जैसे अनेक कार्य हो रहे हैं। जिससे स्थानीय ग्रामीण आत्मनिर्भर होकर आर्थिक रूप से सशक्त हो सकेंगे। निर्माण कार्यों में तेजी लाने गत दिवस कलेक्टर द्वारा मैदानी कर्मचारियों की बैठक लेकर ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध करने के निर्देश दिए गए थे। निर्देशों के परिपालन में सभी मैदानी कर्मचारी लगातार अपने क्षेत्र का भ्रमण कर कार्य प्रारंभ करवा रहे हैं।

सोशल मीडिया नहीं, ज़मीनी जुड़ाव ही संगठन की असली ताकत: स्मृति इरानी

भाजपा प्रदेश संगठन के दो दिवसीय चिंतन शिविर का समापन; विधायकों, सांसदों और कोर ग्रुप की बैठकों में बनी आगामी रणनीति

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी ने पार्टी के दो दिवसीय चिंतन शिविर के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता 'कर्मयोगी' है और कार्यकर्ताओं का निःस्वार्थ परिश्रम ही संगठन की वास्तविक पूंजी है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर सक्रियता जरूरी है, लेकिन यह कभी भी धरातल पर जनता से सीधे संवाद और ज़मीनी स्पर्श का विकल्प नहीं हो सकता।

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर (प्रदेश भाजपा कार्यालय) में आयोजित बैठकों के दूसरे दिन स्मृति इरानी ने कार्यकर्ताओं और



को सार्वजनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए कहा कि पद और दायित्व समय के साथ बदलते हैं, लेकिन कार्यकर्ता का स्थान स्थायी होता है। छत्तीसगढ़ की जनता ने पार्टी पर जो विश्वास जताया है, उसे बनाए रखने के लिए प्रत्येक बूथ को



प्रदेश प्रभारी ने संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्ययोजना को लेकर चार अलग-अलग सत्रों में विस्तृत समीक्षा की:

- द्वितीय सत्र (सांसद): लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के साथ बैठक में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-

जन तक पहुंचाने और संसदीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति की समीक्षा की गई।

- तृतीय सत्र (मंत्रिमंडल): प्रदेश सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक में जनहितैषी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक त्वरित

गति से पहुंचाने की रणनीति तय हुई। - चतुर्थ सत्र (कोर ग्रुप): अंतिम सत्र में भाजपा कोर ग्रुप की रणनीतिक बैठक हुई, जिसमें आगामी संगठनात्मक अभियानों, राजनीतिक चुनौतियों और संगठन विस्तार की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में शीर्ष नेतृत्व रहा मौजूद

सघन बैठकों के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश सह-प्रभारी सिद्धार्थ शंभू, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक एवं कोर ग्रुप के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'हर रविवार चलो बुद्ध विहार' अभियान: रायपुर में गूंजा तथागत बुद्ध और बाबासाहेब का संदेश, उपासकों ने लीं 22 प्रतिज्ञाएं

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ

रायपुर (छत्तीसगढ़)। भारतीय बौद्ध महासभा, युवा प्रकोष्ठ, जिला रायपुर के तत्वावधान में राजा तालाब स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन में 'हर रविवार चलो बुद्ध विहार' अभियान के अंतर्गत विशेष धम्म कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तथागत गौतम बुद्ध के शांति, करुणा व मैत्री के संदेशों तथा बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के क्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और समाज में समता, बंधुत्व एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय बौद्ध महासभा, छत्तीसगढ़ प्रदेश के महासचिव श्री बेनीराम गायकरवाड़ द्वारा सामूहिक त्रिशरण एवं पंचशील वंदना कराकर किया गया। इसके पश्चात जिला रायपुर के संस्कार सचिव श्री कुणाल गौरे ने उपस्थित सभी बौद्ध उपासकों एवं उपासिकाओं को डॉ. आंबेडकर द्वारा दी गई ऐतिहासिक 22 प्रतिज्ञाओं का विधिवत



अनुसरण कराया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने बाबासाहेब के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने तथा एक संस्कृत व समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

व्यक्ति को नियमित रूप से बुद्ध विहारों से जुड़ने, सामूहिक वंदना में भाग लेने और 22 प्रतिज्ञाओं का निष्ठापूर्वक पालन करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश महासचिव श्री बेनीराम गायकरवाड़, संस्कार सचिव श्री कुणाल गौरे, जिला कार्यकारिणी सदस्य श्री मुकेश डोंगरे, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मेंश्राम, महासचिव श्री अरुण बागड़े, कोषाध्यक्ष श्री अभिषेक डोंगरे, अध्यक्ष श्री राजेंद्र कोल्हारकर सहित श्री अर्जुन बोरकर, श्री लवेश लोखंडे, श्री रोहन खोबरागड़े, श्री अमित देशभरतार, श्री एस. के. गौरे, श्री गितेश चौहान एवं अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में उपासक-उपासिकाएं उपस्थित रहे।

अंत में आयोजकों ने सामाजिक बंधुओं से आह्वान किया कि वे हर रविवार अपने निकटतम बुद्ध विहार पहुंचकर धम्म गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि समाज को शिक्षित, संगठित और जागरूक बनाया जा सके।



चेंबर का पता चला, जिसे खोलने पर 24 करोड़ की भारतीय मुद्रा बरामद हुई।

दो व्यक्तियों ने पूछताछ, आयरकर विभाग को दी जाएगी सूचना 3 वाहन में सवार व्यक्तियों की पहचान भवेशभाई जीनाभाई डाभी और विष्णुदेव दुबे के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से बरामद रकम के स्रोत और परिवहन से जुड़े तथ्यों पर पूछताछ कर रही है। मामले में

कांग्रेस तथ्यहीन बातें करने वाली संस्था, पहले अपने गिरेबां में झांके: रंजना साहू

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि वह तथ्यहीन और आधारहीन बातें करने वाली संस्था बनकर रह गई है। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत दी कि भारतीय जनता पार्टी के आंतरिक मामलों पर अनर्गल टिप्पणी करने से पहले उसे अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। श्रीमती साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के भीतर का अनुशासन देश की राजनीति में एक मिसाल है। यदि कांग्रेस भाजपा के अनुशासन का मात्र एक प्रतिशत भी अपने संगठन में लागू कर ले, तो माना जा सकता है कि उनके भीतर भी कोई अनुशासन शेष है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक परिवार के प्रति पूरी तरह समर्पित कांग्रेस पार्टी केवल 'परिवार पूजन' में व्यस्त रहती है, जबकि भाजपा 'दल ही परिवार' के सिद्धांत पर काम करती

दुर्ग खाद्य विभाग एवं औषधि प्रशासन द्वारा कार्यवाही , 05 मेडिकल स्टोर्स पर नार्कोटिक एवं साइकोट्रॉपिक औषधियों के क्रय - विक्रय की हुई विस्तृत जांच

अंचल वर्मा - दुर्ग, उत्तराखंड। जनता के गोठ।

दुर्ग - दुर्ग खाद्य एवं औषधि प्रशासन दुर्ग की औषधि शाखा एवं नार्कोटिक नियंत्रण विभाग रायपुर द्वारा औषधि निरीक्षकों दुर्ग एवं नार्कोटिक नियंत्रण विभाग रायपुर की संयुक्त जांच दल ने दुर्ग एवं भिलाई शहर के विभिन्न 05 मेडिकल स्टोर्स पर नार्कोटिक एवं साइकोट्रॉपिक औषधियों के क्रय-विक्रय की विस्तृत जांच की गई। जांच किये गए मेडिकल स्टोर्स में मेसर्स जनता मेडिकल स्टोर्स, सडक-18, कैम्प-01, भिलाई एवं मेसर्स देवांगन मेडिकल स्टोर्स, शास्त्री मार्केट, पावर हाउस, भिलाई में औषधियों के क्रय-विक्रय रिकार्ड नियमानुसार नहीं पाए जाने एवं रजि. फर्मासिस्ट अनुपस्थित पाए जाने के कारण नियमानुसार औषधि

नवधा रामायण के बीच विकास कार्यों की सौगात, विधायक इंद्र साव ने किया भूमिपूजन

नवागांव-मुसुवाडीह में सड़क और अन्य निर्माण कार्यों के लिए 15 लाख रुपये के कार्यों का शुभारंभ

जनता के गोठ/ओंकार साहू बलौदाबाजार जिला भाटपारा विधानसभा के अंतर्गत ग्राम नवागांव-मुसुवाडीह में आयोजित तीन दिवसीय अखंड नवधा रामायण समारोह के दौरान भाटपारा विधायक इंद्र साव ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान नवागांव में 5 लाख रुपये के विकास कार्यों तथा ग्राम मुसुवाडीह में 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भूमिपूजन किया गया।

धार्मिक आयोजन के बीच विकास कार्यों की शुरुआत से ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। इस



अवसर पर रोहित निषाद, मोहना निषाद, दाऊराम साहू, सरपंच प्रतिनिधि धर्मेन्द्र कोसले, मुसुवाडीह सरपंच कमलेश यदु, जवाहर साहू, समयलाल साहू, ज्ञानचंद साहू, नारायण बंजारे, परदेशी साहू,

शहीद गुंडाधुर की धरती से लिखी जा रही बस्तर में बदलाव की कहानी

सुरक्षा कैंपों को सेवा डेरा में तब्दील कर दूरदराज के गांवों में पहुंचाई जा रही शासन की विभिन्न योजनाएं

धनंजय राठौर संयुक्त संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, रायपुर

कभी नक्सल हिंसा और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बुनियादी सुविधाओं से कोसों दूर रहने वाले बस्तर के गांवों में अब विकास और विश्वास की एक नई और स्वर्णिम इबारत लिखी जा रही है। कभी जिन क्षेत्रों में खौफ का साया रहता था, अब वहां सुरक्षा कैंप विकास और जनसेवा के केंद्र में तब्दील हो चुके हैं। बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित लगभग 200 सुरक्षा कैंपों को वीर शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम चल रहा है, जिसके तहत पहले चरण में 70 कैंपों को इन सेवा डेरों में बदला जा रहा है। यह पहल आज बस्तर के ग्रामीणों के लिए डिजिटल सेवाओं, बैंकिंग, कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार का एक नया संबल बन चुकी है।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ता बस्तर



से बढ़ाया जा रहा है। नेतानार वही ऐतिहासिक भूमि है जो बस्तर के महान जननायक शहीद वीर गुंडाधुर की जन्मस्थली है। वर्ष 1910 के ऐतिहासिक भूमकाल विद्रोह में गुंडाधुर ने आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और जल-जंगल-जमीन के अधिकारों के लिए शोणकारी अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ हफ्तों भर लड़ाई लड़ी। आज उसी ऐतिहासिक धरा पर खुला यह सेवा डेरा आदिवासी



समाज के स्वावलंबन और आधुनिक विकास का नया केंद्र बन गया है।

एक ही छत के नीचे मिल रही हैं तमाम सरकारी सुविधाएं पहले बस्तर के ग्रामीणों को छोटो-छोटो कार्यों, जैसे आधार कार्ड बनवाने, बैंक खाता खोलने या जाति-निवास प्रमाण पत्र के लिए कई-कई किलोमीटर का सफ़र तय करना पड़ता था। लेकिन अब सेवा

और पारंपरिक कौशल को बाजार से जोड़ने का बेहतरीन माध्यम बन गया है। नेतानार में गुंडाधुर महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं इमली का प्रसंस्करण कर उच्च गुणवत्ता वाला इमली पल्प तैयार कर रही हैं। इसी तरह, सुखदेवी जैसी ग्रामीण महिलाओं के लिए जीवन आसान हुआ है, जिन्हें अब अपनी छोटी बच्ची का आधार बनवाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता।

स्थानीय परंपरा को सहेजते हुए पारंपरिक ढेंकी से चावल तैयार करने और उसकी बिक्री से महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी हो रही है, जबकि धान की भूसी का उपयोग पशु आहार के रूप में हो रहा है। इसके अलावा, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

आधुनिक बाजार और बेहतर पैकेजिंग से जुड़ रहा बस्तर

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिका मध्यावधिचुनाव: गैर-अमेरिकी मतदाताओं की पहचान पर गरमाई राजनीति

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने कैलिफोर्निया की सभी काउंटियों के चुनाव



अधिकारियों को पत्र भेजकर मतदाता सूची में शामिल संभावित गैर-अमेरिकी नागरिकों की पहचान करने और उनके डाक मतपत्र अलग रखने की मांग की है। शुक्रवार को भेजे गए इन पत्रों में चेतावनी दी गई है कि निर्देशों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों को संघीय स्तर पर कड़ी जांच का सामना करना पड़ सकता है। यह कार्रवाई 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव से करीब डेढ़ सप्ताह पहले की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन देश के अलग-अलग राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के मतदान की जांच के लिए अभियान चला रहा है। हालांकि, कई राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में शामिल होने या मतदान करने के दावों पर सवाल उठे हैं। कैलिफोर्निया में चुनाव के लिए डाक मतपत्रों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इसमें 20 हजार से अधिक डाक मतपत्रों की गिनती अस्थायी रूप से रोकने की मांग की गई थी। न्याय विभाग के पत्र में ऐसे लोगों की सूची भी शामिल है, जिन्हें एजेंसी के अनुसार अवैध रूप से मतदाता के तौर पर पंजीकृत किया गया हो सकता है। पत्र में स्थानीय चुनाव अधिकारियों को 48 घंटे के भीतर संघीय सरकार के साथ मिलकर यह पता लगाने को कहा गया है कि सूची में शामिल कौन नागरिक है और कौन नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारी शुल्क लगाने की धमकी देकर भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले साल मई में हुआ सैन्य संघर्ष रुकवाया था। हालांकि, भारत अमेरिकी मध्यस्थता के दावे को लगातार खारिज करता रहा है। ट्रंप ने शुक्रवार को फ्लोरिडा में एक चुनावी रैली में कहा, दोनों परमाणु हथियार संपन्न देश लड़ाई रोकने को तैयार नहीं थे। मैंने दोनों देशों से कहा था कि अगर उन्होंने लड़ाई जारी रखी तो अमेरिका के साथ व्यापार नहीं कर सकेंगे। मैंने दोनों देशों को 250 टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। दोनों देश नाराज थे लेकिन मेरी धमकी के बाद उन्होंने गोलीबारी रोक दी और युद्ध समाप्त हो गया।

ईरान से गाजा तक सख्त सैन्य कार्रवाई के दम पर वोट मांग रहे नेतन्याहू, दांव पर सियासी साख

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सियासी छवि बदलने की हरसंभव कोशिश की है। पहले खुद को सुरक्षा और स्थिरता का भरोसेमंद नेता बताते थे। अब सख्त सैन्य कार्रवाई व दुश्मनों के खिलाफ आक्रामक रुख को अपनी पहचान बना रहे हैं। दरअसल, चुनाव से पहले उनका लक्ष्य मतदाताओं को यह भरोसा दिलाना है कि देश की सुरक्षा के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। नेतन्याहू (77) इस्राइल में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता हैं। वे अपने राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे देश में समर्थन जुटा रहे हैं, जो युद्ध, राजनीतिक धुवीकरण और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता से गुजर रहा है। दरअसल, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले ने नेतन्याहू की मिस्टर सियोरॉटी वाली छवि को बड़ा झटका दिया था। उसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे हमले से पहले नेतन्याहू को ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था, जो बड़े सैन्य टकराव से बचते थे। उनकी सुरक्षा नीति सीमित अवधि के युद्ध और रक्षात्मक कार्रवाई पर केंद्रित थी। लेकिन 7 अक्टूबर के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया। इस्राइल ने गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती विद्रोहियों और अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। नेतन्याहू ने इसे दुश्मनों को कमजोर करने और इस्राइल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की रणनीति बताया। कई मोर्चों पर जंग पर निर्णायक अंत नहीं हुआ है। नेतन्याहू कड़े तैवरों के साथ अब कहते हैं कि बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

पाकिस्तान-चीन की और बढ़ी नजदीकियां

चीनी राजदूत जियांग से मिले इशाक डार, कृषि-व्यापार और क्षेत्रीय हालात पर की चर्चा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में चीन के राजदूत जियांग जाइदोंग ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। डार ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के तहत सहयोग, संपर्क सुविधाओं का विस्तार, व्यापार और निवेश, कृषि का आधुनिकीकरण तथा दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाए जाने समेत दोनों देशों के बीच हर परिस्थिति में कायम रहने वाली रणनीतिक साझेदारी में निरंतर प्रगति की सराहना की।डार ने नए युग में साझा भविष्य वाले पाकिस्तान-चीन समुदाय को और मजबूत करने के लिए उच्च स्तर पर नियमित बातचीत और संपर्क बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।



प्रदान किया। विदेश कार्यालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए बातचीत और कुटनीति के महत्व को दोहराया। पाकिस्तान और चीन इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने

का जश्न मना रहे हैं। दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत

करने का संकल्प लिया है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के आगले चरण में उद्योग, कृषि, प्रौद्योगिकी और संपर्क सुविधाओं के विस्तार सहित विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

यूक्रेन ने किया स्टारलिंग की ताकत का गलत इस्तेमाल: मस्क के आरोप से मचा बवाल

स्टारलिंग के इस्तेमाल पर मस्क ने उठाए सवाल

कीव, एजेंसी। अमेरिकी उद्योगपति और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना स्टारलिंग का इस्तेमाल ऐसे ड्रोन हमलों के लिए कर रही थी, जिनका मकसद लोगों की जान लेना था। उन्होंने कहा कि यह स्टारलिंग की सेवा की शर्तों के खिलाफ है और इस सुविधा में मौजूद खामियों को पिछले हफ्ते ही दूर कर दिया गया। मस्क के मुताबिक, स्टारलिंग एक व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल इस तरह के हमलों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन की रक्षा के लिए स्टारलिंग बेहद जरूरी है।



दिया गया है। मस्क ने स्टारलिंग और स्टारशील्ड को दो अलग-अलग व्यवस्थाएं बताया। उनके मुताबिक, स्टारलिंग एक व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में काम करने वाला अलग सिस्टम है। उन्होंने कहा कि स्टारशील्ड का इस्तेमाल किस तरह किया जाता है, यह अमेरिकी सरकार का फैसला है। मस्क की इस टिप्पणी के बीच दोनों प्रणालियों की भूमिका और सैन्य इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मस्क ने यह भी कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिए स्टारलिंग बेहद महत्वपूर्ण

है। उनके दावे के मुताबिक, फिलहाल यह ऐसा संचार माध्यम है, जिसे जाम करना या पूरी तरह नष्ट करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन में स्टारलिंग की सेवा बंद हो जाए, तो वहां की सेना की अग्रिम मोर्चों पर स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मस्क ने यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरुआती दिनों में रूस ने यूक्रेन के संचार नेटवर्क को निशाना बनाया था। ऐसे समय में स्टारलिंग ने यूक्रेन को आपसी संपर्क बनाए रखने में मदद की थी।

युद्ध को लेकर मस्क ने फिर जताई नाराजगी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर मस्क ने एक बार फिर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की, जो युद्ध जारी रखने की बात करते हैं, लेकिन उनके व्यवहारिक समाधान नहीं बताते। मस्क ने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों से सख्त नफरत है, जो लगातार खून-खराबे को बढ़ावा देते हैं। उनकी इस टिप्पणी से साफ है कि वह युद्ध को लेकर अपनी पुरानी विरोधी राय पर कायम हैं। कुछ हिस्सा कथित तौर पर अलग-अलग माध्यमों से अमेरिका वापस पहुंचाया जा रहा है।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या शरिया ने बयान जारी कर कहा कि संगठन ने शनिवार को सात मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इनका निशाना सऊदी अरब के रियाद, यानबू, खौबा, दम्पाम, नजरान और खमीस मुशैत शहरों में स्थित एयरपोर्ट, तेल प्रतिष्ठान और एक सैन्य अड्डा थे। सरिया के मुताबिक, रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो चरणों में निशाना बनाया गया। इसके अलावा यानबू में सऊदी अरमको के प्रतिष्ठानों और दम्पाम में किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी हमले किए गए।

सऊदी गठबंधन ने कई मिसाइलें मार गिराने का किया दावा

सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूती विद्रोहियों की ओर से रियाद, ताइफ और यानबू शहरों की तरफ दागी गई कई मिसाइलों को रोककर नष्ट कर दिया। इसके अलावा पूर्वी प्रांत में एक ड्रोन को भी मार गिराया गया। सऊदी अरब के नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने बताया कि रोकी गई दो

बांग्लादेश में स्कूल जाना भी नहीं सुरक्षित, 5 साल में करीब 8 हजार बच्चों की मौत

ढाका एजेंसी। बांग्लादेश में सड़क हादसों के कारण बच्चों की मौत का आंकड़ा चिंताजनक है। रोड सेफ्टी फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020 से सितंबर 2026 तक देशभर में सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 7,963 बच्चों की जान जा चुकी है। इनमें 2,513 बच्चे ऐसे थे, जिनकी मौत स्कूल-कॉलेज जाते समय या वहां से घर लौटते वक्त हुई। यह रिपोर्ट नौ राष्ट्रीय दैनिक अखबारों, 17 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय ऑनलाइन समाचार पोर्टलों, राजमार्गों (हाइवे) पर 1,974 और शहरी सड़कों पर 1,194 बच्चों की मौतें हुई।

पैदल चलने वाले बच्चों में से 1,271 बच्चों की मौत तीन-पहिया वाहनों (जैसे प्रह्ल ऑटो-रिक्शा और स्थानीय स्तर पर बने

मोटरसाइकिल पर सवार थे, जो कुल मौतों का 37.14 प्रतिशत है। वहीं, 2,812 बच्चे पैदल चलते समय दुर्घटनाओं का शिकार हुए, जबकि 2,193 बच्चों की मौत अन्य वाहनों में सफर करने के दौरान हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, 962 बच्चों की मौत तब हुई जब वे अपने घरों के पास सड़कों पर खेल रहे थे। ग्रामीण सड़कों पर बच्चों की सबसे ज्यादा मौतें (2,713) दर्ज की गईं। इसके बाद क्षेत्रीय सड़कों पर 2,082, राजमार्गों (हाइवे) पर 1,974 और शहरी सड़कों पर 1,194 बच्चों की मौतें हुई।

पैदल चलने वाले बच्चों में से 1,271 बच्चों की मौत तीन-पहिया वाहनों (जैसे प्रह्ल ऑटो-रिक्शा और स्थानीय स्तर पर बने

वाहन) की चपेट में आने से हुई। बसों, ट्रकों और कवर्ड वैन जैसे भारी वाहनों की चपेट में आने से 1,126 पैदल चलने वाले बच्चों की जान गई। निजी कारों और माइक्रोबसों से 317 बच्चों की मौत हुई, जबकि मोटरसाइकिलों से जुड़ी घटनाओं में 98 बच्चों की जान गई। मृतक बच्चों में 13 से 17 साल की उम्र के बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा थी—3,547 बच्चे (कुल मौतों का 44.54 प्रतिशत)। इसके अलावा, 2,884 बच्चे 6 से 12 साल के थे, जबकि 1,532 बच्चे 5 साल या उससे कम उम्र के थे। दोपहर का समय सबसे खतरनाक रहा, जिसमें 2,634 बच्चों की मौत हुई (कुल मौतों का 33.07 प्रतिशत)।

ईरान पर कभी भी बरस सकते हैं अमेरिकी बम: ट्रंप बोले- आज हो सकता है हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संकेत दिया कि अमेरिका ईरान पर जल्द हमला कर सकता है। हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच बड़े समझौते की संभावना से भी इनकार नहीं किया। फ्लोरिडा में मिडटर्म चुनाव के लिए वोट डालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमला कल भी हो सकता है। लेकिन यह भी संभव है कि दोनों देश किसी अच्छे समझौते पर पहुंच जाएं। ईरान पर हमले से जुड़े सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि क्या किसी को लगता है कि वह पहले से बता देंगे कि आगे क्या करने वाले हैं उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या वह समझौते की शर्तों पर कायम रहेगा। उनके इस बयान से साफ है कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई और बातचीत, दोनों विकल्प खुले रखे हैं।

ट्रंप ने पश्चिम एशिया में अपनी सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए अमेरिकी नौसेना और सेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सभी लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया है और उसके 259 जहाज समुद्र में

डुबो दिए गए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान अब रिकॉर्ड तोड़ महंगाई जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। हालांकि, ये आंकड़े और दावे ट्रंप के बयान पर आधारित हैं। इस बीच, ईरान से जुड़ी तत्नीम समाचार एजेंसी ने दावा किया कि तेहरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थों के सामने कोई नया प्रस्ताव नहीं रखा है। ईरान ने उस कथित प्रस्ताव को भी खारिज किया, जिसमें अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने के बदले होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की बात कही गई थी। प्रेस टीवी के मुताबिक, ईरानी सूत्रों ने सऊदी अरब के एक मीडिया संस्थान की इस खबर को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इसका समाधान निकल सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार करेगा।

डेमोक्रेट्स पर लगाए आरोप

अमेरिकी राजनीति पर बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई शहरों और राज्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने इस बयान के दौरान कोई विस्तृत सबूत पेश नहीं किया।

यूएन में भारत बोला: पाकिस्तान दुष्प्रचार में लिप्त, हम अल्पसंख्यकों के अधिकार पर प्रतिबद्ध

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार फैलाने के लिए पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। भारत ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को खाली करने की मांग भी की। इसके साथ ही, भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों और जलवायु परिवर्तन से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।



संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान के प्रतिनिधियों को अपने नागरिकों के कल्याण पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सैन्य निर्देशों पर काम करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पुरी ने भारत की अल्पसंख्यक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा राज्यों का संप्रभु कर्तव्य है। भारत की सांविधानिक सुरक्षाएं धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विविधता को दर्शाती हैं। भारतीय राजनयिक ने यह भी रेखांकित किया कि अल्पसंख्यकों ने भारत के राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 23 अक्टूबर को भारत ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पाकिस्तान के व्यवहार पर भी उसे फटकारा था। भारत ने इस्लामाबाद पर कमजोर समुदायों की रक्षा में विफल रहने का आरोप लगाया। भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ने अनुमान के मुताबिक दुष्प्रचार के लिए मंच का दुरुपयोग किया। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। पुरी ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को खाली करने की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान के प्रतिनिधियों को अपने लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने की सलाह दी। भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा को राज्यों का संप्रभु कर्तव्य बताया। भारत ने 23 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र में धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पाकिस्तान के व्यवहार पर उसे लगाया। भारत ने इस्लामाबाद पर कमजोर समुदायों की रक्षा न करने का आरोप लगाया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के उपचार पर नई दिल्ली को उपदेश देने का प्रयास कर रहा है। प्रथम सचिव भाविका मंगलानंद ने छहड़छुछ-19 महामारी के दौरान धार्मिक भेदभाव पर एक रिपोर्ट पर सवाल उठाया।

यूरोपीय देशों में आंदोलन: कई जगह भिड़े पुलिस, उग्र प्रदर्शनकारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। फ्रांस की राजधानी पेरिस व अन्य शहरों में शनिवार को युवाओं और श्रमिक संगठनों के आह्वान पर बड़ा प्रदर्शन किया गया। दिनभर प्रदर्शन आमतौर पर शांतिपूर्ण रहा लेकिन शाम होते-होते कई जगहों पर हिंसक घटनाएं हुईं। हालांकि, पिछले हफ्ते की तुलना में स्थिति अपेक्षाकृत शांत रही। उधर, इटली में पीएम जिर्जार्जिया मेलनी के खिलाफ युवाओं का आक्रोश भड़क उठा है।

लाखों की संख्या में सड़कों पर उतरे आक्रोशित: फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में लगभग 4.1 लाख लोगों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। वहीं, जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (जीसीटी) यूनियन का दावा है कि यह संख्या करीब 8 लाख थी। फ्रांसीसी गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि अब तक 135 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके

पास से कई तरह के हथियार जब्त किए गए हैं। इस बार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए



देशभर में 70,000 पुलिसकर्मियों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर, बख़तरबंद गाड़ियां और वॉटर कैन्नन तैनात किए गए थे।

रोम और मिलान में कैसा मंजर: इटली के मिलान में प्रदर्शनकारियों ने रात में प्रदर्शन किया। ज्यादातर युवा प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'सरकार के झूठ को ना' जैसे बैनर देखे गए। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने इटली के ऊर्जा नियामक के बाहर खाद फेंक पर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने एक प्रतीकात्मक, बिजली बिल भी जलाया, जिसकी तस्वीरें स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित हुईं। फैशन के लिए मशहूर मिलान में ओमेगा, टिफनी और गुच्ची सहित कई लक्जरी बूटीक दुकानों को सामने की खिड़कियों को बंद करना पड़ा। एम्पल स्टोर भी बंद रहा। हालात सामान्य होने पर दूसरी दुकानें खुलीं लेकिन बड़े ब्रांड्स के आउटलेट बंद दिखे। दरअसल, पिछले सप्ताह के अंत आंदोलन के दौरान उपद्रव करने वाले लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की थी। उन्होंने शहर के केंद्रीय डुओमो चौक से निकलने वाली सड़कों पर स्टीकर्स, स्पॉट्स विस्पर और खेल के

सामान को निशाना बनाया था। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैन्नन का सहारा लिया: दक्षिण-पूर्वी शहर ल्योन में प्रदर्शनों पर रोक लगाई गई थी, लेकिन शहर के केंद्र के पास लगभग 150 प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पश्चिमी शहर नांत में हजारों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बाइंबंदी को तोड़कर शहर के केंद्र में प्रवेश किया। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैन्नन का सहारा लिया। भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर पटाखे और पत्थर फेंके। अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर चेहरा ढंककर प्रदर्शन करने पर रोक के बावजूद नकाबपोश प्रदर्शनकारी उपद्रव मचाते दिखे। ऑरलियंस शहर में मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेप्सल रैली पार्टी के सम्मेलन के खिलाफ हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला।

रोम में प्रदर्शनों का स्वरूप कैसा रहा

इटली के ही रोम में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों ने लक्जरी खरीदारी वाली सड़कों को बंद कर दिया। सर्विस मैक्सिमस और पिपाज़ा डेल पोपोलो के आसपास नियंत्रण बढ़ा दिए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोलोसियम में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन गार्डों ने उन्हें बाहर निकाल दिया। अन्य जगहों पर, कई सी छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ किया कि उनके आंदोलन का मकसद उपद्रव, दंगा या तोड़फोड़ नहीं है। धुर-दक्षिणपंथी छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकार्डो पॉजियो ने कहा कि पिछले सप्ताह की तस्वीरें भयानक थीं। युवा पीढ़ी के अधिकांश छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं। उन लोगों से उनका सरोकार नहीं जो मुद्दों को आड़ में पूरे शहर को तबाह करने की मंशा रखते हैं। मध्य रोम में एक अलग युद्ध-विरोधी मार्च भी हुआ। आयोजकों ने संभावित अशांति से खुद को दूर रखने की कोशिश की। ली पेन छह महीने बाद होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में इमेन्युएल मैक्रो की जगह लेने के लिए अभियान का शुुरुआत कर रही हैं और सर्वे बताते हैं कि वे दीड में सबसे आगे हैं। प्रदर्शनकारी मैक्रो और ली पेन दोनों का विरोध कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार भीड़ नारे लगाए-मैक्रो इस्तीफा दो, ली पेन जेल जाओ। पुलिस ने ऑरलियंस में प्रदर्शनकारियों की संख्या 11,000 बताई, जबकि आयोजकों का दावा था कि 26,000 लोग मौजूद थे। मजदूर यूनियनों, वामपंथी दलों और छात्र संगठनों सहित लगभग 50 संगठनों ने ली पेन की प्रवासी-विरोधी नीति के खिलाफ इस प्रदर्शन का आह्वान किया था। इटली में शनिवार को रोम और मिलान जैसे शहरों में हजारों छात्रों, युवाओं और नागरिकों ने प्रदर्शन किए और रैलियां निकालीं।



तलाक के बाद भी माही विज के साथ खड़े हैं जय भानुशाली



रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में अभिनेत्री माही विज अपने पूर्व पति जय भानुशाली से जुड़े एलिमनी से जुड़े मामले पर इमोशनल होती दिखी थीं। माही ने

शो में बताया था कि उन्होंने तलाक के दौरान गुजारा भत्ता लेने से इनकार कर दिया था। अब इस मामले पर जय भानुशाली ने प्रतिक्रिया दी है और अपनी एक्स वाइफ माही विज का समर्थन किया। जय भानुशाली का कहना है कि पैसों को वह कभी-भी अपने बेटे में नहीं आने देंगे। माही और उनकी बेटी तारा के लिए उनका प्यार और सम्मान हमेशा बना रहेगा। माही की टीम ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री की यह विलप शेरार की थी, जिस पर कई सेलेब्स ने प्रतिक्रिया दी थी। वहीं, जय भानुशाली ने भी कमेंट करते हुए भरोसा दिलाया कि अलग होने के बावजूद वह हमेशा माही और तारा के साथ खड़े रहेंगे। जय भानुशाली ने लिखा, 'मजबूत रही माही। हम दोनों जानते हैं कि हम मुश्किल समय में हमेशा एक-दूसरे के साथ रहेंगे। पैसा कभी भी हमारे बीच न तो था और आगे भी कभी नहीं रहेगा। तुम और तारा हमेशा जीवन भर मेरी जिम्मेदारी रहोगी। शादी का स्टेटस तुम दोनों के लिए मेरे प्यार और सम्मान को कभी नहीं बदल सकता। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ।' दरअसल, जय भानुशाली का यह बयान तब आया, जब रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के एक एपिसोड में अभिनेत्री माही विज अपनी सिंगल मदर की जर्नी, गुजारा भत्ता न लेने के फैसले और अपनी बेटी के भविष्य को खुद संवारने के इरादे पर बात करते हुए इमोशनल हो गई थीं। 'बिग बॉस 20' के पिछले एपिसोड में माही ने तारा की परवरिश के अपने अनुभव का फैसला क्यों किया। उन्होंने बताया था कि जज ने उन्हें चार बार एलिमनी लेने के बारे में पूछा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था, क्योंकि वह जानती हैं कि जय भानुशाली ने वह पैसा अपनी कड़ी मेहनत से कमाया है।



रुक्मिणी वसंत की नई फिल्म का ऐलान, थारा के किरदार में आएंगी नजर

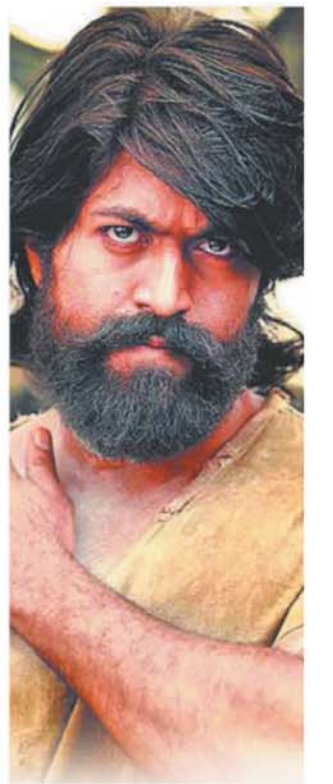
फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म के मेकर्स ने रुक्मिणी का अपनी टीम में स्वागत करते हुए उनके किरदार की जानकारी दी। वह डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में थारा का किरदार निभाएंगी। अभी फिल्म के नाम का ऐलान नहीं किया गया है। इस फिल्म में रुक्मिणी लीड रोल में होंगी और उनके साथ देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। डायरेक्टर श्री कार्तिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईश्वर के आशीर्वाद से बेहद टैलेंटेड कलाकार रुक्मिणी के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूँ। एक मजेदार, रोमांचक और दिल को छू लेने वाली फिल्म आने वाली है। 'ओके ओका जीवितम' की तरह यह फिल्म भी हमेशा आपके दिलों में रहेगी।' उन्होंने पोस्ट में रुक्मिणी को टैग करते हुए फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। यह पहली बार होगा जब रुक्मिणी वसंत और डायरेक्टर श्री

कार्तिक किसी फिल्म में साथ काम करेंगे। फिल्म का निर्माण मेडबॉयज एंटरटेनमेंट और सिरुनी सिने कॉर्पोरेशन मिलकर कर रहे हैं, जबकि साईकृष्णा गडवाल इसके को-प्रोड्यूसर हैं। इससे पहले श्री कार्तिक फिल्म 'कानम' के जरिए चर्चा में आए थे। इस फिल्म में टाइम ट्रैवल जैसे अनाखे कॉन्सेप्ट को मां और बेटे के भावनात्मक रिश्ते के साथ जोड़ा गया था। अब वह एक नए प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं, जिसमें अलग-अलग कलाकारों और क्रिएटिव टीम के साथ एक नई कहानी पेश करने की तैयारी है। मेकर्स ने रुक्मिणी के किरदार थारा का परिचय एक अनाउंसमेंट वीडियो के जरिए कराया। इस वीडियो में श्री कार्तिक, देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन थारा के किरदार को फाइनल करने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसी बीच अचानक एक नोटिफिकेशन आता है, जो तीनों को चौंका देता है। इसके बाद रुक्मिणी वसंत की एंटी होती है और दर्शकों को उनके किरदार की पहली झलक देखने को मिलती है।



रावण का किरदार कोई नहीं करना चाहता, यश की तारीफ में क्या बोलीं साई पल्लवी

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में मेकर्स और फिल्म की कास्ट भारत के अलग-अलग शहरों में जाकर जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट में फिल्म में 'सीता' का किरदार निभा रही साई पल्लवी ने फिल्म में 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की।



साई पल्लवी ने कहा कि यश ने इस किरदार को पूरी तरह अपना लिया और लोगों की नफरत के बजाय उनका प्यार हासिल किया। साई पल्लवी ने कहा, 'कोई भी रावण का किरदार नहीं निभाना चाहता, क्योंकि इस किरदार के साथ नफरत जुड़ी होती है, लेकिन यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता।'

क्यों यश ने निभाया 'रावण' का किरदार

इससे पहले एक बातचीत में यश ने बताया था कि फिल्म के सह-निर्माताओं में से एक होने के बावजूद उन्होंने भगवान राम के बजाय रावण का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया। यश ने कहा था, 'राम की भलाई दिखाने के लिए रावण की बुराई भी तो चाहिए।' अपनी एक्टिंग पर भरोसा जताते हुए यश ने कहा, 'मुझसे अच्छी बुराई कोई दिखा नहीं सकता।' फिर जब अभिनेता से पूछा गया कि तो क्या आपने

पदों पर बुरा आदमी बनने की जिम्मेदारी ले ली है? इसके जवाब में यश ने कहा, 'जब मैं अच्छा किरदार भी करूंगा ना, मुझसे अच्छा कोई भी नहीं होगा।' यश ने आगे कहा, 'रावण को देखकर लगना चाहिए कि इसको कैसे मारा जाए? हम सभी ने अपने अहंकार को एक तरफ रख दिया है। रामायण में बात मेरे स्टारडम या एक स्टार के तौर पर मेरी पहचान की नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर सबसे अच्छे लोग काम कर रहे हैं।'

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'रामायण' दो पार्ट में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट अक्टूबर 2026 में दिवाली से पहले दुनियाभर में रिलीज होने वाला है। जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म 'रामायण' को करीब 4,000 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बनाया गया है।

बतौर डायरेक्टर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं राम पोथिनेनी

बॉलीवुड में अपनी दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले अभिनेता रितेश देशमुख अब तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। एक्टर एनर्जेटिक स्टार राम पोथिनेनी की फिल्म के साथ रितेश अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म में उनकी एंटी का ऐलान कर दिया है। फिल्म में राम पोथिनेनी सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि बतौर डायरेक्टर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी के प्रोडक्शन हाउस

रापो सिनेमैटिक्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह इसी साल दिसंबर में आएगी। फिल्म की कहानी नियो-नोयर दुनिया में सेट है, जो इसके रहस्य और रोमांच को एक अलग अंदाज देने वाली है। बताया जा रहा है कि फिल्म की स्क्रिप्ट और अपने किरदार से प्रभावित होकर रितेश ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भरी। फिल्म में उनका किरदार कहानी के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है।



एकता कपूर ने की प्रियंका चाहर चौधरी की तारीफ

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 में प्रोड्यूसर एकता कपूर द्वारा उनके गेम की तारीफ किए जाने के बाद इमोशनल नजर आईं। दरअसल, शो के टावर के अंदर साथी कंटेस्टेंट्स के साथ झगड़े के बाद माहौल गरम होने के बीच, प्रियंका को एकता, अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह की तरफ से सपोर्ट मैसेज मिले। प्रियंका की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एकता ने कहा कि वह शो में उनकी जर्नी फॉलो कर रही हैं और उन्होंने जिस तरह से अलग-अलग हालात को हैंडल किया है, वह वाकई सराहनीय है। एकता ने कहा, 'मैं आपको 'राइज एंड फॉल' में देख रही हूँ और मैं कहना चाहती हूँ, आप बहुत अच्छा खेल रही हो। शो में आप कभी-कभी शांत और संयमित रहती हो और कभी-कभी लोगों को उनकी असली जगह दिखा देती हो।' प्रियंका को 'असली हीरोइन'

बताते हुए प्रोड्यूसर ने कहा कि वह पूरे देश में मौजूद उनके सपोर्टर्स के साथ उनके लिए दुआ कर रही हैं। एकता ने प्रियंका के साथ जुड़े 'नागिन' टैग पर भी बात की और इसे होसला बढ़ाने वाला मैसेज बताया। उन्होंने कहा, 'सबसे अच्छी बात, अगर कोई आपको नागिन कहे, तो उन्हें ये बात याद हो कि नागिन का इसा पानी भी नहीं मांता और आप सिर्फ बुरे लोगों को डसती हो। तो, खेलती रहो और जीती। मेरे और पूरे इंडिया के लिए, आप असली हीरोइन हो, लोगों के दिल की, बालाजी की, मेरी और इंडियन टेलीविजन की। जीतो, क्योंकि मुझे नहीं पता, या आपको नहीं पता कि हारना कैसे है।' अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह ने भी प्रियंका को अपना सपोर्ट दिया, जिसके बाद टावर के अंदर चल रही राइवेलरी के बीच होसला बढ़ाने वाले शब्द सुनकर प्रियंका चौधरी इमोशनल हो गईं। बनिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूस 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 के होस्ट पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग हैं। यह शो प्राइम वीडियो पर फ्री में एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके नए एपिसोड रोज दोपहर 12 बजे रिलीज होते हैं।



बर्लिन से टोरंटो तक पहुंची श्वेता त्रिपाठी की फिल्म

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म 'मुझे जान ना कहे मेरी जान' को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट तक ले जा रही हैं। इस साल की शुरुआत में बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से सफर शुरू करने वाली उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फीचर फिल्म अब टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2026 तक पहुंच गई है।

श्वेता का कहना है कि प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह सिर्फ फिल्म बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि यह भी सोचती हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी और इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है। श्वेता ने कहा, 'आप जिस फिल्म पर भरोसा करते हैं, उसे किसी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक ले जाना अपने आप में खास होता है। खासकर तब, जब बतौर प्रोड्यूसर यह आपकी पहली फीचर फिल्म हो। बर्लिन से टोरंटो तक का सफर मेरे लिए बेहद खास रहा है, क्योंकि इस दौरान मुझे 'मुझे जान ना कहे मेरी जान' को एक अलग तरीके से पेश करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, 'जब आप फिल्म को बनाने की प्रक्रिया से

आगे बढ़कर देखते हैं, तो आपके मन में यह सवाल आने लगते हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी, इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है और आगे इसके लिए क्या-क्या संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूँ कि इस सफर का फिल्म के लिए क्या मतलब निकलता है।' श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि बतौर प्रोड्यूसर काम करने से उन्हें कहानी कहने के तरीके को एक नए नजरिए से समझने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी कहने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया है। एक एक्टर के तौर पर आप किसी किरदार और कहानी को पर्दे पर जीवित करने में पूरी तरह जुटे रहते हैं।' उन्होंने कहा, 'प्रोड्यूसर के तौर पर आपको यह भी देखना होता है कि फिल्म बनने के बाद उसका सफर कैसा होगा, कौन लोग इससे जुड़ सकते हैं और आप फिल्म को उसके दर्शकों तक पहुंचाने के लिए किस तरह मौके बना सकते हैं। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट ऐसे लोगों को एक साथ लाते हैं, जो इन संभावनाओं को हकीकत में बदलने में मदद कर सकते हैं। अपनी पहली प्रोडक्शन को इन प्लेटफॉर्म पर पेश कर पाना मेरे लिए एक अहम कदम रहा है।' नेशनल अवॉर्ड जीत चुके फिल्ममेकर संजय नाग के निर्देशन में बनी 'मुझे जान ना कहे मेरी जान' में तिलोत्तमा शोम

और श्वेता त्रिपाठी नजर आएंगी। यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जिसमें प्यार और इंसानी रिश्तों को ईमानदारी और बारीकी से दिखाने की कोशिश की गई है। बतौर प्रोड्यूसर श्वेता का सफर थिएटर से शुरू हुआ था। साल 2010 में उन्होंने अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी 'ऑलमाइटी' की शुरुआत की थी। इसकी पहली प्रस्तुतियों में ब्रिटिश नाटककार माइक बार्टलेट का क्वीर ड्रामा 'कॉक' शामिल था। माइक बार्टलेट ऑलिवियर अवॉर्ड जीत चुके हैं।



सपेरा बस्ती के 21 बच्चों के हाथों में सजीं किताबें: बाल चौपाल की पहल से दूटी अशिक्षा की बेड़ियां, स्कूल पहुंचे मासूम

दस्तावेजों के अभाव और अनिच्छा को मात देकर बाल आयोग ने रचा इतिहास; सिद्ध के दाखिले के साथ मुहिम पूरी

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ
रायपुर। तिल्दा विकासखंड के ग्राम सिनोधा स्थित सपेरा बस्ती में कभी बच्चों का भविष्य अभाव और अशिक्षा के साए में सिमटा हुआ था, लेकिन अब वहां उम्मीद की नई सुबह हो चुकी है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अनूठी पहल 'बाल चौपाल' के संवेदनशील प्रयासों से बस्ती के 21 बच्चों ने स्कूल की दहलीज लांची है, जो शिक्षा की मुख्यधारा से कोसों दूर थे। 10 जुलाई की बाल चौपाल से शुरू हुआ बदलाव का सफर- सिनोधा की सपेरा बस्ती में 10 जुलाई 2026 को

आयोजित बाल चौपाल के दौरान यह बात सामने आई कि बड़ी संख्या में बच्चे बुनियादी शिक्षा से वंचित हैं। कई बच्चों के पास पहचान संबंधी आवश्यक दस्तावेज नहीं थे, जिसके चलते वे शासकीय योजनाओं के लाभ से भी कटे हुए थे। वहीं, कई अभिभावक पारंपरिक सोच और पारिवारिक परिस्थितियों के चलते बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार नहीं थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए बाल आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने 17 जुलाई 2026 को स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रकरण दर्ज कराया और शिक्षा विभाग के साथ मिलकर सघन अभियान शुरू किया।

दस्तावेज बनवाए, संवाद साधा और दाखिला कराया- आयोग और शिक्षा विभाग की टीम ने बस्ती में लगातार चौपाल लगाकर अभिभावकों को शिक्षा के महत्व से परिचित कराया। विशेष



शिविर लगाकर बच्चों के जरूरी दस्तावेज तैयार करवाए गए। इस साझा प्रयास का सुखद परिणाम यह रहा कि बस्ती के 20 बच्चों का स्कूल में औपचारिक प्रवेश सुनिश्चित हो गया।

जब नन्हें सिद्ध ने भी धामा बस्ता- 20 बच्चों के स्कूल जाने के बाद भी बस्ती का एक बालक सिद्ध और उसके परिजन

स्कूल जाने को राजी नहीं थे। आयोग ने इसे चुनौती के रूप में लिया और बच्चे के परिवार का विश्वास जीतने के लिए निरंतर काउंसलिंग की। विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) और शिक्षकों के अथक प्रयासों से आखिरकार सिद्ध का मन बदला और 22 अक्टूबर को उसका भी स्कूल में दाखिला हो गया। पिछले तीन



दिनों से सिद्ध पूरी उमंग के साथ नियमित स्कूल जा रहा है।

बीईओ सम्मानित, आयोग में गुंजी सफलता की गुंज
सोमवार, 26 अक्टूबर को आयोग कार्यालय में इस प्रकरण की चौथी सुनवाई के दौरान इस उपलब्धि की समीक्षा की गई। आयोग अध्यक्ष डॉ.

वर्णिका शर्मा ने नन्हें सिद्ध से आत्मीय संवाद कर उसकी हौसलाफजाई की और विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री लीलाधर सिन्हा को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का मौलिक अधिकार है। अभाव, सामाजिक पृष्ठभूमि या पहचान दस्तावेजों की कमी कभी भी

बच्चों के भविष्य की राह में रोड़ा नहीं बननी चाहिए। बाल अधिकारों के संरक्षण का असली अर्थ केवल समस्याओं को सुनना नहीं, बल्कि समाधान तक पहुंचकर बच्चे के हाथ में किताब धमाना है। सिनोधा में 21 बच्चों का स्कूल पहुंचना इसी संवेदनशील सामूहिक प्रयास की जीत है।=

डॉ. वर्णिका शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग
विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री लीलाधर सिन्हा ने कहा कि जिन बच्चों को स्कूल की चौखट तक लाना असंभव लग रहा था, आयोग के मार्गदर्शन और टीम भावना के चलते आज वे सभी गर्व से बस्ता थामे स्कूल जा रहे हैं। बस्ती के इस अभूतपूर्व बदलाव ने साबित कर दिया है कि यदि संवाद में संवेदनशीलता और नीयत में निष्ठा हो, तो हर बच्चे के सपनों को उड़ान दी जा सकती है।

100 प्रतिभाओं का सम्मान, वक्ता मंच ने आयोजित किया भव्य छत्तीसगढ़ गौरव अवॉर्ड समारोह



रायपुर। लोकप्रिय समाचार पत्र दबंग स्वर के छठवें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को राजधानी में भव्य छत्तीसगढ़ गौरव अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वक्ता मंच द्वारा किया गया था। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों - पत्रकारिता, समाजसेवा, शिक्षा, कृषि, कला, संस्कृति, खेल एवं उद्योग जगत से जुड़ी 100 प्रतिभाओं को छत्तीसगढ़ गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में दबंग स्वर के प्रधान संपादक पीके तिवारी जी, प्रगतिशील किसान राजाराम त्रिपाठी जी, वरिष्ठ साहित्यकार माणिक विश्वकर्मा जी, एम राजीव जी, राजकुमार धर द्विवेदी मंचासीन थे। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते जी ने कुशल संचालन किया। संयोजक शुभम साहू जी, मनीष अवस्थी और पूरी टीम विशेष रूप से उपस्थित रही। अतिथियों ने सभी सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की

कामना की। आयोजन अत्यंत गरिमापूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा। वक्ताओं ने कहा कि दबंग स्वर ने छह वर्षों में अपनी निर्भीक पत्रकारिता से अलग पहचान बनाई है और ऐसे आयोजनों से प्रदेश की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच मिलता है। साहित्य के क्षेत्र में भी इस अखबार की महती भूमिका है। सभी सम्मानित प्रतिभाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

पांच साल बाद भी घरों तक नहीं पहुंचा पानी, ठेकेदार और पीएचई विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

भुजबल बघेल
बकावंड जनता के गोठ। बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गुंमडेल में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पानी टंकी का कार्य वर्षों बाद भी अधूरा होने से ग्रामीणों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, लगभग पांच साल बीत जाने के बाद भी पानी टंकी से गांव में नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था नहीं हो पाई है।

सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, ताकि लोगों को पानी के लिए भटकना न पड़े। लेकिन गुंमडेल



पंचायत में पानी टंकी का निर्माण लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल होने के बावजूद ग्रामीणों को इसका योजना के क्रियाव्यवन और निर्माण उठ रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जब गांव में पानी की आपूर्ति हो सुनिश्चित नहीं हो पाई है, तो पानी टंकी और पाइपलाइन निर्माण का क्या औचित्य है? योजना पर सरकारी राशि खर्च होने के बाद भी लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। गांव के छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित ठेकेदार और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निर्माण कार्य की जांच कराने तथा जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति शुरू करने की मांग की है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग के अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गुंमडेल पंचायत में जल जीवन मिशन के तहत पानी की व्यवस्था कब तक सुनिश्चित करते हैं, ताकि ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से राहत मिल सके।

अंगदान महादान के संदेश के साथ ILS Walkathon 2.0 में ग्रीन आर्मी ने निभाई सहभागिता



रायपुर। अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ट्रस्ट हॉस्पिटल द्वारा रविवार, 25 अक्टूबर को मरीन ड्राइव, रायपुर में 'दूसरा ह्रुद्बुधयाह्रुद्बुधश्रुट 2.0*' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सहयोगी संस्था के रूप में ग्रीन आर्मी रायपुर, छत्तीसगढ़ ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 6 बजे ट्रस्ट हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. सोरभ एवं उनकी टीम द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री अनुज शर्मा एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी श्री राजेश चौहान उपस्थित रहे। वॉकार्थोन मरीन ड्राइव से शारंग होकर गांधी उद्यान में संपन्न हुआ। इस दौरान अंगदान के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा समाज में अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में सहयोगी संस्थाओं को सम्मानित किया गया, जिसमें ग्रीन आर्मी रायपुर, छत्तीसगढ़ को भी महत्वपूर्ण स्थान देते हुए सम्मानित किया गया। यह

सम्मान सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियों में संस्था की सक्रिय भूमिका को दर्शाता है। ग्रीन आर्मी रायपुर, छत्तीसगढ़ विगत 9 वर्षों से निरंतर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। संस्था पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक एवं जनहितकारी अभियानों में भी अपनी सहभागिता निभाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर ग्रीन आर्मी रायपुर के जिला अध्यक्ष श्री गुरदीप सिंह टुटेजा, ग्रीन आर्मी की स्टेट को-ऑर्डिनेटर डॉ. राधिका यादव सहित अमलीडीह, पुरानी बस्ती, देवपुरी एवं अन्य जगहों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रीन आर्मी ने इस सहभागिता के माध्यम से अंगदान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषय के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के अभियान को अपना सहयोग दिया। संस्था ने संदेश दिया कि अंगदान महादान है, क्योंकि एक व्यक्ति का अंगदान कई लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव सहित विधायकगणों की गरिमामयी उपस्थिति में यादव (ठेठवार) समाज के पदाधिकारियों ने ली शपथ

रायपुर। यादव (ठेठवार) समाज महासभा, राजिम का भव्य शपथ ग्रहण समारोह रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को प्रांतीय मुख्यालय राजिम, जिला गरियाबंद में हर्षोल्लास एवं सामाजिक एकजुटता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता खल्लरी विधायक श्री द्वारिकाधीश यादव ने की। कार्यक्रम में चंद्रपुर विधायक श्री रामकुमार यादव, राजिम विधायक श्री रोहित साहू एवं नगर पालिका परिषद राजिम के अध्यक्ष श्री महेश यादव सहित समाज के वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने बताया कि समारोह का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की आरती एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात पारंपरिक वेशभूषा में अहीर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया गया। नर्तकी बालिकाओं ने पुष्पवर्षा कर अतिथियों एवं समाजजनों का अभिनंदन किया। छत्तीसगढ़

की पारंपरिक संस्कृति के अनुरूप अतिथियों को खुरमी एवं कुलेथा भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में 700 से अधिक लोगों की उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक एकता, भाईचारे, प्रेम एवं स्नेह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव को प्रतिनिधित्व के बीच आपसी सम्मान, आत्मीयता और सद्भाव की भावना विशेष रूप से दिखाई दी।

समारोह में मुख्य प्रांतीय कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित प्रांताध्यक्ष श्री संतोष यदु, महासचिव श्री समलिया यादव एवं कोषाध्यक्ष श्री रमन यादव को कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने शपथ दिलाई। वहीं शेष प्रांतीय कार्यकारिणी, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को प्रांताध्यक्ष श्री संतोष यदु ने शपथ दिलाई। सभी पदाधिकारियों ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती एवं सामाजिक विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। प्रांतीय कार्यकारिणी में मुख्य प्रांतीय कार्यकारिणी के प्रांताध्यक्ष श्री संतोष यदु, महासचिव श्री समेलिया यादव एवं



कोषाध्यक्ष श्री रमन यादव हैं। युवा प्रकोष्ठ में श्री उपसेन यदु प्रांताध्यक्ष, श्री बी.पी. यदु महासचिव एवं श्री महितोष यादव कोषाध्यक्ष हैं। महिला प्रकोष्ठ में श्रीमती पुष्पा भुवनेश्वर यादव प्रांताध्यक्ष, श्रीमती किरण बलेंद यदु महासचिव एवं श्रीमती सुनीति संतु यादव कोषाध्यक्ष हैं। इसी कड़ी में महासभा के कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से 100 से अधिक सदस्यों वाली समाज के विकास, संगठन की मजबूती एवं समारोह के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों

ने पूर्व पदाधिकारियों को फूलमाला पहनकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उन्हें भावपूर्ण विदाई दी। वहीं पूर्व प्रांताध्यक्ष श्री गुलेंद्र यादव ने भी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूलमाला पहनकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत और सम्मान किया। इस पारस्परिक सहयोग एवं संघर्ष भाईचारे, आपसी प्रेम एवं स्नेह के वातावरण को और अधिक मजबूत बनाया। नवनिर्वाचित प्रांताध्यक्ष श्री संतोष यदु ने समाज के विकास, संगठन की मजबूती एवं सामाजिक एकता को लेकर आगामी एक वर्ष

की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कार्ययोजना में निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर यादव (ठेठवार) समाज महासभा द्वारा तैयार किए गए ठेठवार सामाजिक जनगणना फॉर्म 2027 का कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के करकमलों से विधिवत विमोचन किया गया। यह पहल समाज की जनसंख्या, परिवारों की संख्या एवं अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक जानकारी को व्यवस्थित रूप से संकलित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े भविष्य में समाज के विकास, सामाजिक कल्याण एवं संघर्ष योजनाओं के प्रभावी क्रियाव्यवन में सहायक होंगे। प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने समाचार जारी करते हुए कहा कि समाज की एकजुटता, पारस्परिक सहयोग एवं संघर्ष प्रयासों से सामाजिक विकास के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने समारोह को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नशे को मात, विरासत के साथ: रायपुर में पारंपरिक खेलों से युवाओं ने दिया नशामुक्ति का संदेश

रायपुर। रस्साकशी में जोर आजमाते, कबड्डी में दमखम दिखाते और गिल्ली-डंडा खेलते युवाओं ने रविवार को रायपुर में स्वस्थ और नशामुक्त जीवन का संदेश दिया। छत्रपति शिवाजी महाराज आउटडोर स्टेडियम, बूढ़ा तालाब में MY Bharat और भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 150 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के 100 सप्ताह के अभियान के छठे सप्ताह में आयोजित इस कार्यक्रम को थीम थी- 'पारंपरिक खेल: हमारी विरासत, हमारे खेल, हमारा गौरव।' आयोजन ने युवाओं को भारतीय खेल परंपराओं से जोड़ते हुए शारीरिक सक्रियता, अनुशासन और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। रस्साकशी, कबड्डी और गिल्ली-डंडा के साथ योग एवं रस्सी कूद की गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। MY Bharat के युवा स्वयंसेवकों, SAI के एथलीटों और राज्य खेल प्राधिकरण के खिलाड़ियों ने इनमें सक्रिय सहभागिता की। सामूहिक खेलों के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, आपसी सहयोग और अपनी ऊर्जा को अवसर पर MY Bharat के राज्य निदेशक श्री अर्पित तिवारी, श्रीमती सुनीता चंसेरिया, पंडित सहायक निदेशक श्री रमन पटेल, स्टूडेंट्स रविवंशकर शुक्ल विश्वविद्यालय के

अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा ने की। इस रण प्रारंभ, दुर्गा महाविद्यालय की चंसोरिया, पंडित रविवंशकर शुक्ल विश्वविद्यालय के



शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव चौधरी तथा साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्री महेंद्र राजपूत उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दुर्गा महाविद्यालय के MY Bharat स्वयंसेवकों ने

शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव चौधरी तथा साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्री महेंद्र राजपूत उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दुर्गा महाविद्यालय के MY Bharat स्वयंसेवकों ने

नशामुक्ति पर प्रभावशाली नुकड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को उजागर करते हुए युवाओं को स्वस्थ जीवन अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। साथ ही, सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। युवाओं ने स्वयं नशे से दूर रहने, दूसरों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। खेल, सहभागिता और संकल्प के इस संगम ने स्पष्ट संदेश दिया- अपनी विरासत से जुड़कर युवा स्वस्थ जीवन और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।